ग्लोबल गेटवे प्लान: ईयू

प्रलिम्सि के लयि:

ग्लोबल गेटवे प्लान, ग्रुप ऑफ सेवन

मेन्स के लयि:

चीन के बेल्ट एंड रोड इनशिएिटवि के बारे में

चर्चा में क्यों?

हाल ही में यूरोपीय आयोग ने ग्लोबल गेटवे (Global Gateway) नामक एक योजना की घोषणा की है, जो वर्ष 2027 तक दुनिया भर में सार्वजनकि और नजी बुनियादी ढाँचे में नविश हेतु 300 अरब यूरो (EURO 300 billion) जुटाने से संबंधति है।

- हालाँकयिोजना में चीन का जकि्र नहीं है, लेकनि इसे चीन की **बेल्ट एंड रोड रणनीत**ि (China's Belt and Road strategy) की प्रतकि्रयिा के रूप में देखा जा रहा है।

प्रमुख बदिु

- **ग्लोबल गेटवे प्लान के बारे में:**
  - **वकिासात्मक आयाम:** ग्लोबल गेटवे, यूरोपीय संघ, यूरोप देशों के दृष्टकिोण के साथ तत्काल ज़रूरतों के लयि प्रतकि्रयिा की पेशकश करेगा जसिमें शामलि है:
    - टकिाऊ और उच्च गुणवत्ता वाले डजिटिल, जलवायु, ऊर्जा और परविहन बुनयिादी ढाँचे का वकिास करना।
    - दुनयिा भर में स्वास्थ्य, शकि्षा और अनुसंधान प्रणालयिों को मज़बूत करना।
  - **अनुदान:** परयिोजना के वत्तिपोषण के लयि यूरोपीय संघ अपने यूरोपीय कोष का उपयोग सतत् वकिास प्लस हेतु करेगा।
    - इसके तहत 40 अरब यूरो उपलब्ध कराए जाते हैं और बाहरी सहायता कार्यक्रमों से 18 अरब यूरो तक के अनुदान की पेशकश की जाएगी।
    - लक्ष्य को प्राप्त करने के लयि योजना को अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों और नजी क्षेत्र से वत्तिपोषण की आवश्यकता होगी।
    - ऋण संकट के जोखमि को सीमति करने हेतु उचति और अनुकूल शर्तों के तहत वत्तिपोषण कयिा जाएगा।
  - **B3W प्रोजेक्ट की शाखा: EU रणनीत**ि बल्डि बैक बेटर वर्ल्ड **(Build Back Better World- B3W) पहल की एक शाखा है।**
    - B3W जून 2021 में सबसे अमीर **ग्रुप ऑफ सेवन (G-7)** लोकतंत्रों द्वारा घोषति एक अंतर्राष्ट्रीय बुनियादी ढाँचा नविश पहल है।
    - G7 (Group of Seven) देशों ने चीन की बेल्ट एंड रोड इनशिएिटवि (Belt and Road initiative- BRI) परयिोजना का मुकाबला करने के लयि 47वें के G7 शखिर सम्मेलन में 'बल्डि बैक बेटर वर्ल्ड' (Build Back Better World- B3W) पहल का प्रस्ताव रखा।
- **चीन के बेल्ट एंड रोड इनशिएिटवि के बारे में:**
  - **परचिय:** इस परयिोजना की परकिल्पना वर्ष 2013 में चीन के राष्ट्रपत शी जनिपगि ने की थी। BRI पहल चीन द्वारा प्रस्तावति एक महत्त्वाकांक्षी आधारभूत ढाँचा वकिास एवं संपर्क परयिोजना है जसिका लक्ष्य चीन को सड़क, रेल एवं जलमार्गों के माध्यम से यूरोप, अफ्रीका और एशयिा से जोड़ना है।
    - यह कनेक्टविटिी पर केंद्रति चीन की एक रणनीत है, जसिके माध्यम से सड़कों, रेल, बंदरगाह, पाइपलाइनों और अन्य बुनयिादी सुवधिाओं को ज़मीन एवं समुद्र के माध्यम से एशयिा, यूरोप एवं अफ्रीका से जोड़ने की परकिल्पना की गई है।
    - वर्ष 2013 से 2020 के मध्य तक चीन का कुल नविश लगभग 750 बलियिन अमेरकिी डॉलर का था।
    - चीन का तर्क है कविह संयुक्त परयिोजनाओं को लाभ पहुँचाने वाले ऋण प्रदान करते हुए अपने भागीदारों की संप्रभुता का सम्मान करता है, जबकआिलोचकों का कहना है कबिीजगि की संवदित्मक शर्तें मानव, श्रम और पर्यावरण अधकिारों का हनन करती हैं।
  - **BRI की आलोचना: नम्नलखिति कारणों से पश्चमिी दुनयिा द्वारा BRI परयिोजना की काफी आलोचना की गई है:**
    - **चीन की ऋण जाल नीत:** बीआरआई को चीन की ऋण जाल नीतकि एक भाग के रूप में देखा जा रहा है, जसिमें चीन जान-बूझकर

किसी अन्य देश को कर्जदार बनाने तथा आर्थिक या राजनीतिक रियायतें प्राप्त करने के इरादे से अत्यधिक ऋण देता है।
    - पश्चिमी देश इसे चीन के लिये गरीब देशों को प्रभावित करने के एक उपकरण के रूप में देखते हैं।
    - वे उभरती अर्थव्यवस्थाओं को बहुत अधिक कर्ज लेने के लिये उकसाने हेतु चीन की आलोचना करते हैं और आरोप लगाते हैं कि चीन की निविदा प्रक्रिया भ्रष्टाचार से ग्रस्त है।
  - **नया उपनिवेशवाद:** उन्होंने इस पहल को नए उपनिवेशवाद या 21वीं सदी की 'मार्शल योजना' के रूप में नामित किया है।
  - **उत्पाद की दोहरी प्रकृति:** साथ ही चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (CPEC), श्रीलंका में कोलंबो पोर्ट सिटी परियोजना का निर्माण जैसी परियोजनाएँ न केवल प्रकृति में वाणिज्यिक हैं बल्कि रणनीतिक प्रभाव वाली भी हैं।
- **भारत का पक्ष**
  - भारत ने बार-बार स्पष्ट किया है कि वह 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' में शामिल नहीं होगा, क्योंकि इसका प्रमुख घटक 'चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा' (CPEC)- 'पाक अधिकृत कश्मीर' (PoK) से होकर गुज़रता है, जो कि भारत और पाकिस्तान के बीच विवादित क्षेत्र है।
  - इसके अलावा चीन की आक्रामकता का मुकाबला करने के लिये भारत ने 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' और 'सागर विज़न' शुरू किया है तथा भारत स्वयं 'एशिया-अफ्रीका ग्रोथ कॉरिडोर' (AAGC) एवं 'फ्री एंड ओपन इंडो पैसिफिक' पहल जैसी बहुपक्षीय परियोजनाओं का हिस्सा है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/global-gateway-plan-eu